Anusanadhan: A Multidisciplinary International Journal (In Hindi)
Volume 9, Issue 3&4 - 2024, Pg. No. 20-23
Peer Reviewed Journal

Research Article

जोधपुर संभाग के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक एवं समस्या समाधान योग्यता का अध्ययन

Suresh Sharma

Principal, kasturi Devi College, Chaksu, Jaipur, India.

DOI: https://doi.org/10.24321/2456.0510.202405

I N F O

E-mail Id:
suresh.sharma575@gmail.com
Orcid Id:
https://orcid.org/0000-0002-3236-3805

Date of Submission: 2024-07-09
Date of Acceptance: 2024-10-29

सारांश

इस शोध पत्र में जोधपुर संभाग के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक एवं समस्या समाधान योग्यता का अध्ययन किया गया है इसमें अध्ययन के उद्दे'य प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक एवं समस्या समाधान योग्यता का अध्ययन निश्चित किये गये है इसमें 6 शोध परिकल्पनाओ का निर्माण किया गया है प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया है। इसमें जोधपुर संभाग के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के 142 बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों जिसमें शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के 71 प्रशिक्षणार्थी तथा शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के 71 प्रशिक्षणार्थियों पर अपना अध्ययन कार्य सम्पन्न किया गया है इनके अन्तर्गत भी इन्हें दोनों महाविद्यालयों में 71 पुरूष व 71 महिला प्रशिक्षणार्थियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है इस पूरे न्यादर्श का चयन राजस्थान राज्य के जोधपुर संभाग में से किया गया है शोध में तार्किक योग्यता एवं समस्या समाधान स्वनिर्मित योग्यता मापनी का प्रयोग किया गया है अध्ययन की प्रकृति एवं उद्देश्यों के आधार पर प्राप्त आकड़ों के विश्लेशण हेतु मध्यमान, प्रमाप विचलन, क्रान्तिक अनुपात का प्रयोग किया गया है निष्कर्ष रूप में जोधपुर संभाग के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक एवं समस्या समाधान योग्यता के अध्ययन आधार पर यह पाया गया की शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की तुलना में शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक एवं समस्या समाधान योग्यता उच्च स्तर की है।

मुख्य शब्द: जोधपुर, प्रशिक्षणार्थी, राजस्थान, शिक्षक, महाविद्यालय

शीर्षक

जोधपुर संभाग के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक एवं समस्या समाधान योग्यता का अध्ययन[1]

अध्ययन के उद्देश्य

1. शिक्षक प्रशिक्षण, महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता का अध्ययन करना।
2. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की ता. र्कक योग्यता का अध्ययन करना।
3. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की महिला प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता का अध्ययन करना।
4. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता का अध्ययन करना।
5. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता का अध्ययन करना।

Copyright (c) 2024: Author(s). Published by Advanced Research Publications

6. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की महिला प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता का अध्ययन करना।[2-5]

अध्ययन की परिकल्पनाएँ

1. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
2. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
3. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की महिला प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
4. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
5. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
6. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की महिला प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।[6-9]

अध्ययन विधि

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया है।

न्यादर्श

इसमें जोधपुर संभाग प्रथम के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के 142 बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों जिसमें शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के 71 प्रशिक्षणार्थी तथा शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के 71 प्रशिक्षणार्थियों पर अपना अध्ययन कार्य सम्पन्न किया गया है इनके अन्तर्गत भी इन्हें दोनों महाविद्यालयों में 71 पुरूष व 71 महिला प्रशिक्षणार्थियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है इस पूरे न्यादर्श का चयन राजस्थान राज्य के जोधपुर संभाग में से किया गया है।[10-13]

शोध में प्रयुक्त उपकरण

1. ''बी.एड़. प्रषिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता की जाँच हेतु अभिवृत्ति मापनी''– स्वनिर्मित
2. ''बी.एड़. प्रषिक्षणार्थियों के समस्या समाधान योग्यता की जाँच हेतु अभिवृत्ति मापनी''–स्वनिर्मित

अनुसंधान में प्रयुक्त सांख्यिकी

अध्ययन की प्रकृति एवं उद्देश्यों के आधार पर प्राप्त आकड़ों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, प्रमाप विचलन, क्रान्तिक अनुपात का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्ययन में शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता एवं समस्या समाधान योग्यता से संबंधित प्रदत्तों की तालिका 1 से 3 में प्रस्तुत है।

उपर्युक्त तालिका संख्या 1 में जोधपुर संभाग के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता अभिवृत्ति मापनी के मध्यमानों एवं मानक विचलनों को प्रदर्शित किया गया है। इनके मध्यमान क्रमशः 12.92 एवं 10. 00 प्राप्त हुए तथा मानक विचलन क्रमशः 3.68 एवं 4.03 प्राप्त हुए हैं। मध्यमानों एवं मानव विचलनों की गणना के आधार पर क्रांतिक अनुपात मान (C.R. Value) 4.49 प्राप्त हुआ है। 140(df) स्वतंत्रता के अंश पर 0.05 सार्थकता स्तर का मान क्रांतिक अनुपात मान की तालिका में 0.05 तथा 0.01 सार्थकता स्तर का मान 1.98 दिया गया है। गणना द्वारा प्राप्त मान दोनों सार्थकता स्तर से अधिक है, अतः यह निर्धारित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है तथा निष्कर्श के रूप में कहा जा सकता है, कि जोधपुर संभाग के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है। प्राप्त मध्यमानों के आधार पर देखा जाये तो जोधपुर संभाग के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता से अधिक पायी गई है।[14]

उपर्युक्त तालिका संख्या 2 में जोधपुर संभाग के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता मापनी के मध्यमानों एवं मानक विचलनों को प्रदर्शित किया गया है। इनके मध्यमान क्रमशः 15.48 एवं 11.00 प्राप्त हुए तथा मानक विचलन क्रमशः 5.92 एवं 6.02 प्राप्त हुए है। मध्यमानों एवं मानक विचलनों की गणना के आधार पर क्रांतिक अनुपात मान (C.R. Value) 4.48 प्राप्त हुआ है। 140 (df) स्वतंत्रता के अंश पर 0.05 सार्थकता स्तर का मान क्रांतिक अनुपात मान की तालिका में 0.05 तथा 0.01 सार्थकता स्तर का मान 2.61 दिया गया है। गणना द्वारा प्राप्त मान दोनों सार्थकता स्तर से अधिक है, अतः यह निर्धारित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है तथा निश्कर्श के रूप में कहा जा सकता है कि जोधपुर संभाग के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।[15]

उपर्युक्त तालिका संख्या 3 में जोधपुर संभाग के शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियो की तार्किक समस्या समाधान योग्यता का सहसम्बंध गुणांक 0.45 है जो धनात्मक सहसम्बंध को प्रदशित करता है यह गुणांक स्वतंत्राश पर 69, 0.05, 0.01 है अत: साथर्कता स्तर पर सहसम्बन्ध का मान .22, .28 से अधिक है उपयुक्त आंकिक विवरण से स्पष्ट है की जोधपुर सम्भाग के शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियो की तार्किक योग्यता समस्या समाधान योग्यता में धनात्मक सहसम्बन्ध है अतरू शून्य परिकल्पना जोधपुर सम्भाग के शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियो की तार्किक योग्यता समस्या समाधान योग्यता में सार्थक सहसम्बन्ध नही है यह अस्वीकृत होती है।[16]

ISSN: 2456-0510
DOI: https://doi.org/ 10.24321/2456.0510.202405

तालिका संख्या 1–जोधपुर संभाग के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता अभिवृत्ति मापनी के मध्यमानों के अन्तरों की सार्थकता की तुलना

न्यादर्श	संख्या (N)	मध्यमान (MEAN)	प्रमाप विचलन (SD)	क्रान्तिक अनुपात (CR Value)	सार्थकता स्तर	
					0.05	0.01
जोधपुर संभाग के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी	71	12.92	3.68	4.49	सार्थक अन्तर नहीं है।	सार्थक अन्तर नहीं है।
जोधपुर संभाग के शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी	71	10.00	4.03	-	-	-

(df = N1 + N2 - 2 = 71 + 71 - 2 = 140)

तालिका संख्या 2–जोधपुर संभाग के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता मापनी के मध्यमानों के अन्तरों की सार्थकता की तुलना

न्यादर्श	संख्या (N)	मध्यमान (MEAN)	प्रमाप विचलन (SD)	क्रान्तिक अनुपात (CR Value)	सार्थकता स्तर	
					0.05	0.01
जोधपुर संभाग के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी	71	15.48	5.92	4.48	सार्थक अन्तर नहीं है।	सार्थक अन्तर नहीं है।
जोधपुर संभाग के शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी	71	11.00	6.02			

(df = N1 + N2 - 2 = 71 + 71 - 2 = 140)

तालिका संख्या 3–जोधपुर संभाग के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता अभिवृत्ति मापनी के मध्यमानों के अन्तरों की सार्थकता की तुलना

न्यादर्श	संख्या (N)	मध्यमान (MEAN)	प्रमाप विचलन (SD)	क्रान्तिक अनुपात (CR Value)	सार्थकता स्तर	
					0.05	0.01
जोधपुर संभाग के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थी	36	14.31	3.88	0.45	सार्थक अन्तर नहीं है।	सार्थक अन्तर नहीं है।
जोधपुर संभाग के शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के पुरूष प्रशिक्षणार्थी	36	13.14	4.99			

(df = N1 + N2 - 2 = 36 + 36 - 2 = 70)

निष्कर्ष

1. जोधपुर संभाग के षिक्षक प्रषिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रषिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता अभिवृत्ति मापनी की गणना के आधार पर क्रांतिक अनुपात मान (C.R. Value) 4.49 प्राप्त हुआ है। जो कि दोनों सार्थकता स्तर से अधिक है, अतः यह निर्धारित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।
2. जोधपुर संभाग के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की समस्या समाधान योग्यता मापनी की गणना के आधार पर क्रांतिक अनुपात मान (C.R. Value) 4.48 प्राप्त हुआ है। जो कि दोनों सार्थकता स्तर से अधिक है, अतः यह निर्धारित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।
3. जोधपुर संभाग के शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षण ाार्थियों की तार्किक समस्या समाधान योग्यता का सहसम्बंध गुणांक 0–45 है जो धनात्मक सहसम्बंध को प्रदशित करता है यह गुणांक स्वतंत्राश पर 69, 0.05, 0.01 है अत: साथर्कता स्तर पर सहसम्बन्ध का मान .22, .28 से अधिक है उपयुक्त आंकिक विवरण से स्पष्ट है की जोधपुर सम्भाग के शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता समस्या समाधान योग्यता में धनात्मक सहसम्बन्ध है अत: शून्य परिकल्पना जोधपुर सम्भाग के शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों की तार्किक योग्यता समस्या समाधान योग्यता में सार्थक सहसम्बन्ध नही है यह अस्वीकृत होती है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. राजस्थान पत्रिका. (2013, नवंबर 10). राजस्थान पत्रिका, जयपुर संस्करण (पृ. 11).

ISSN: 2456-0510
DOI: https://doi.org/10.24321/2456.0510.202405

2. राजस्थान दैनिक भास्कर. (2014, अक्टूबर 23). राजस्थान दैनिक भास्कर, जयपुर संस्करण (पृ. 8).
3. शिक्षा विभाग राजस्थान. (1997). राजस्थान में षिक्षा अनुसंधान: सम्प्राप्तियाँ एवं सम्भावनाएँ (1984–92) (पृ. 180). बीकानेर: शिक्षा विभाग राजस्थान.
4. शिक्षा विभाग राजस्थान. (1997). राजस्थान में शिक्षा अनुसंधान: सम्प्राप्तियाँ एवं सम्भावनाएँ (1984–92) (पृ. 180). बीकानेर: शिक्षा विभाग राजस्थान.
5. सैयदेन, के. जी. (2002). युवावर्ग के जीवन में अनुशासन. शिविरा पत्रिका, नवंबर (अंक 5), 18.
6. नालंदा शब्दकोश. (1991). नालंदा शब्दकोश. आदर्श बुक डिपो.
7. बुल्के, फ. क. (2004). अंग्रेजी–हिंदी शब्दकोष. एस. चंद एण्ड कम्पनी.
8. शेली, व. (2006). ऑक्सफोर्ड एडवांस्ड लर्नर्स डिक्शनरी. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस.
9. सहाय, र., – श्रीवास्तव, म. (2009). वृहद हिंदी शब्दकोश. ज्ञान मंडल लिमिटेड.
10. अस्थाना, वि. (1994). मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन और मूल्यांकन. विनोद प्रकाशन पुस्तक मंदिर.
11. अस्थाना, वि. (2004). मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन और मूल्यांकन (पृश्ठ 235–246). विनोद प्रकाशन पुस्तक मंदिर.
12. कपिल, एच. के. (प्रकाशन वर्ष अज्ञात). अनुसंधान की विधियाँ (द्वितीय संस्करण, पृश्ठ 23, 25). हरप्रसाद भवन, कचहरी घाट.
13. गुप्ता, एस. पी. (2011). अनुसंधान संदर्शिका: संप्रत्यय, कार्य विधि एवं प्रविधि. षारदा पुस्तक भवन.
14. बघेला, हे. (प्रकाशन वर्ष अज्ञात). शिक्षा मनोविज्ञान (पृश्ठ 193). अरिहंत शिक्षा प्रकाशन.
15. बेस्ट, जे. डब्ल्यू., – शर्मा, आर. (प्रकाशन वर्ष अज्ञात). शिक्षा अनुसंधान (पृश्ठ 81). आर. एल. बुक डिपो.
16. भार्गव, म. (2005). आधुनिक मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन (पृश्ठ 534). एच. पी. भार्गव बुक हाउस.

ISSN: 2456-0510
DOI: https://doi.org/ 10.24321/2456.0510.202405